# Brainstorming Workshop on Space Based Solutions for the Effective Management of Stubble Burning and Air Pollution

**Dated:** 10th Aug, 2022

र निजी किसानों को 80% और 50% की दर से सब्सिडी दी जाएगी

मिलेगी सब्सिडी, आवेदन की अंतिम तिथि 15

ने नहीं लिया
अप्लाई

कि पिछले 4
021-22) के
स योजना के
या है, वे ही
हो सकते हैं।
निजी किसान
लिए आवेदन
समितियों, ग्राम
5 लाख की
इस योजना
लाभ लेने के
प्रखंड कृषि
अधिकारी
जा सकता है।
से पराली न
रक्षित रखने

## पराली प्रबंधन को कम हॉर्स पावर की मशीनरी करें इस्तेमाल

**पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के विषय पर वर्कशॉप करवाई**

लुधियाना| पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर लुधियाना में इसरो-डीएमएसपी के तत्वाधान में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने और सही प्रबंधन एवं वायु प्रदूषण को रोकने के लिए स्पेस आधारित हल करने के विषय पर वर्कशॉप कराई गई। कार्यक्रम में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी एग्रीकल्चर और पीआरएससी के चेयरमैन सर्वजीत सिंह ने इसकी अध्यक्षता की। कार्यक्रम में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग, स्टेट रिमोट सेंसिंग हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पीपीसीबी व अन्य विभागों से अधिकारियों, प्रोग्रेसिव फार्मर ने हिस्सा लिया।

पीआरएससी के डायरेक्टर डॉ. बी पतेरिया ने सभी का स्वागत किया। माहिरों ने कहा कि चावल की बिजाई जून महीने के अंत में होने से अगली फसल के लिए खेत को तैयार करने का समय कम रह गया है, इसलिए पराली जलाने की घटनाएं होती हैं। माहिरों ने पराली को खेत के अंदर ही प्रबंधित करने और बाहर प्रबंधन करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। किसानों को भी अपने अनुभव बताने के लिए प्रेरित किया। माहिरों ने कम हॉर्स पावर की मशीनरी का इस्तेमाल पराली प्रबंधन के लिए करने की बात कही। पीएयू के कम्युनिकेशन विभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ.अनिल शर्मा ने माहिरों को साइंस, टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन को प्रसारित करने और लोकल भाषा में इनके बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रसारित करने की सलाह दी। अंत में डॉ. वीके वर्मा ने सभी का धन्यवाद किया।

ਮਿਤੀ : 10 ਅਗਸਤ, 2022
Date:

ਵਿਚਾਰ ਵਟਾਂਦਰਾ ਅਤੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ
BRAINSTORMING WORKSHOP
on
Space Based Solutions for the Effective Management of
Stubble Burning and Air Pollution
Date
10 August, 2022
Venue
Punjab Remote Sensing Centre

PUNJAB REMOTE SENSING CENTRE
LUDHIANA

VIP'S
RESERVED